NEWS CLIPPING:27.04.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

JC BOSE UNIVERSITY CELEBRATED WORLD IP DAY

FARIDABAD(TIT NEWS): With the view to creating awareness on the significance of Intellectual Property Right (IPR), the Institution's Innovation Council (IIC) and the Department of Computer Engineering of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, celebrated World IP Day with a special programme. The Program was organized under the Kalam Program for IP Literacy and Awareness (KAPILA) and National Intellectual Property Awareness Mission (NIPAM). The program was attended by more than 300 participants. The program was inaugurated by the Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar. Examiner of Patent and Design at Indian Patent Office Mr. Raj Kumar Meena was guest speaker on this occasion. Registrar Dr. S.K. Garg, Dean of Informatics and Computer Engineering Prof. Komal Kumar Bhatia and President of IIC Prof. Lakhwinder Singh were also present on this occasion. The program was convened by Dr. Sapna Gambhir and Dr. Parul Tomar. Addressing the inaugural session, Prof. Tomar highlighted the importance of Intellectual Property Rights. Referring to the Indian Traditional Knowledge and patent issues in the light of the Turmeric and Neem case, he said that in the ancient time, the traditional knowledge in India was passed on generation to generation in verbal form; therefore, there was no documentation of such knowledge. India raised the issue at International platforms and expressed concerns over it. Thereafter, many patent applications concerning India's traditional knowledge were either cancelled or withdrawn or claims were amended in several international patent offices, he added. He said that in the present era when everything is driven by technology and innovation, the awareness about Intellectual Property Rights is very important. He appreciated the initiative taken by IIC of University for organizing an awareness program on IPR. During the program, an informative talk by the Director, Innovation Cell in Ministry of Education, Dr. Mohit Gambhir was presented wherein he explained about the importance of literacy in Intellectual Property and scope of IPR especially in academics. He also spoke about the Government initiatives for promotion of IPR and patenting. Earlier, in the welcome address, Dr. Sapna Gambhir spoke about the importance of the day and said that World IP Day is celebrated to raise awareness of the impact of how patents, copyright, trademarks and design affect our daily life.

NEWS CLIPPING:27.04.2022

HADOTI ADHIKAR

बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता बहुत महत्वपूर्णः कुलपति

–विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 26 अप्रैल। बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्व को लेकर जागरूकता लाने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए की इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलाम प्रोग्राम फॉर आईपी लिटरेसी एंड अवेयरनेस (कपिला) और राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उदघाटन कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने किया। इस अवसर पर भारतीय पेटेंट कार्यालय में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक राजकुमार मीणा अतिथि वक्ता रहे। इस अवसर

पर कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, इंफॉर्मेटिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग के डीन प्रो. कोमल कुमार भाटिया और आईआईसी के अध्यक्ष प्रो लखविंदर सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सपना गंभीर और डॉ. पारुल तोमर ने किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. तोमर ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय पारंपरिक ज्ञान तथा हल्दी एवं नीम की पेटेंटिंग के मामलों का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि प्राचीन समय में भारत में पारंपरिक ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप में हस्तांतरित होता रहा है, जिसका कारण ऐसे ज्ञान का दस्तावेजीकरण न होना रहा। कार्यक्रम के दौरान, शिक्षा मंत्रालय में इनोवेशन सेल के निदेशक डॉ मोहित गंभीर ने बौद्धिक संपदा में महत्व पर व्याख्यान दिया।

NEWS CLIPPING:27.04.2022

AAJ SAMAJ

अधिकारों के प्रति जागरूकता महत्वपूर्ण: तोमर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्व को लेकर जागरूकता लाने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद की इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलाम प्रोग्राम फॉर आईपी लिटरेसी एंड अवेयरनेस (कपिला) और राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. एसके तोमर ने किया। इस अवसर पर भारतीय पेटेंट कार्यालय में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक राज कुमार मीणा अतिथि वक्ता रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, इंफॉर्मेटिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग के डीन प्रो. कोमल कुमार भाटिया और आईआईसी के अध्यक्ष प्रो लखविंदर सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सपना गंभीर और डॉ. पारुल तोमर ने किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. तोमर ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय पारंपरिक ज्ञान तथा हल्दी एवं नीम की पेटेंटिंग के मामलों का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि प्राचीन समय में भारत में पारंपरिक ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप में हस्तांतरित होता रहा है, जिसका कारण ऐसे ज्ञान का दस्तावेजीकरण न होना रहा। इसके बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया, जिसके बाद भारत के पारंपरिक ज्ञान से संबंधित कई पेटेंट आवेदन या तो रद्द किये गए या वापस ले लिए गए या कई अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कार्यालयों में दावों में संशोधन किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में जब सब कुछ प्रौद्योगिकी और नवाचार से प्रेरित है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता होना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर।

उन्होंने आईपीआर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के आईआईसी द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान, शिक्षा मंत्रालय में इनोवेशन सेल के निदेशक डॉ मोहित गंभीर ने बौद्धिक संपदा में महत्व पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बौद्धिक संपदा साक्षरता, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों के दायरे के बारे में बताया। उन्होंने आईपीआर और पेटेंटिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विभिन्न पहलों को लेकर भी चर्चा की।

इसके उपरांत राजकुमार मीणा ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान, आईपीआर के महत्व और उनके संरक्षण, पेटेंट प्रक्रिया और पेटेंट जानकारी, पेटेंट खोज, शिक्षा जगत में नवाचार और आविष्कार की भूमिका, उद्योग सहयोग, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट संरक्षण इत्यादि पर चर्चा की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पारुल तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सत्र का संचालन डॉ. अश्वेषा गुप्ता और डॉ. मानवी एवं स्टूडेंट वालंटियर्स की टीम ने किया।

NEWS CLIPPING:27.04.2022

PIONEER

बौद्धिक संपदा अधिकारों की जागरुकता जरूरी : कुलपति

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विश्व विद्यालय में कार्यक्रम का दीप जला कर शुभारंभ करते कुलपति प्रो. एसके तोमर।

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्व को लेकर जागरुकता लाने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद की इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम कलाम प्रोग्राम फॉर आईपी लिटरेसी एंड अवेयरनेस (कपिला) और राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. एसके तोमर ने किया। इस अवसर पर भारतीय पेटेंट कार्यालय में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक राज कुमार मीणा अतिथि वक्ता रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, इंफॉर्मेटिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग के डीन प्रो. कोमल कुमार भाटिया और आईआईसी के अध्यक्ष प्रो लखविंदर सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सपना गंभीर और डॉ. पारुल तोमर ने किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. तोमर ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय पारंपरिक ज्ञान तथा हल्दी एवं नीम की पेटेंटिंग के मामलों का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि प्राचीन समय में भारत में पारंपरिक ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप में हस्तांतरित होता रहा है, जिसका कारण ऐसे ज्ञान का दस्तावेजीकरण न होना रहा। इसके बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया, जिसके बाद भारत के पारंपरिक ज्ञान से संबंधित कई पेटेंट आवेदन या तो रद्द किये गए या वापस ले लिए गए या कई अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कार्यालयों में दावों में संशोधन किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में जब सब कुछ प्रौद्योगिकी और नवाचार से प्रेरित है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आईपीआर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के आईआईसी द्वारा की गई पहल की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान, शिक्षा मंत्रालय में इनोवेशन सेल के निदेशक डॉ मोहित गंभीर ने बौद्धिक संपदा में महत्व पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बौद्धिक संपदा साक्षरता, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों के दायरे के बारे में बताया। उन्होंने आईपीआर और पेटेंटिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विभिन्न पहलों को लेकर भी चर्चा की। इससे पहले, स्वागतीय संबोधन में डॉ सपना गंभीर ने विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के महत्व के बारे में बात की और कहा कि पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन हमारे दैनिक जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं, इसके बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व आईपी दिवस मनाया जाता है।

NEWS CLIPPING:27.04.2022

DAINIK JAGRAN

बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता महत्वपूर्ण : प्रो. तोमर

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आइआइसी) तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलाम प्रोग्राम फार आइपी लिटरेसी एंड अवेयरनेस (कपिला) और राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत हुआ और 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो.एसके तोमर ने किया। भारतीय पेटेंट कार्यालय में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक राज कुमार मीणा कार्यक्रम में वक्ता रहे। कुलसचिव डा.एसके गर्ग, इंफार्मेटिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग के डीन प्रो.कोमल कुमार भाटिया और आइआइसी के अध्यक्ष प्रो लखविंदर सिंह भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डा. सपना गंभीर और डा. पारुल तोमर ने किया। प्रो.एसके तोमर ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके प्रति जागरूकता बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय पारंपरिक ज्ञान तथा हल्दी एवं नीम की पेटेंटिंग के मामलों का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि प्राचीन समय में भारत में पारंपरिक ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप में हस्तांतरित होता रहा है, जिसका कारण ऐसे ज्ञान का दस्तावेजीकरण न होना रहा। राजकुमार मीणा ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान, आइपीआर के महत्व और उनके संरक्षण, पेटेंट प्रक्रिया और पेटेंट जानकारी, पेटेंट खोज, शिक्षा जगत में नवाचार और आविष्कार की भूमिका, उद्योग सहयोग, ट्रेडमार्क और कापीराइट संरक्षण इत्यादि पर चर्चा की गई।